चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 24.1.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 2-5

टेक्नोलॉजी • इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल युवा छात्रों को शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रेरित करेगी

एचएयू में आईआईसी की स्थापना, छात्रों के आइडिया बनेंगे अविष्कार

एग्रो भास्कर | हिसार

हिसार के एचएयू में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को आइडिया को अविष्कार तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इसके लिए एचएयू में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) को प्रमाणित किया है। इस काउंसिल की स्थापना एमएचआरडी इनोवेशन सैल के नियमों के अनुसार देश में सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए की गई हैं। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल का उद्देश्य युवा छात्रों को शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित, प्रेरित और पोषित करना है।

छात्रों को कैसे मिलेगा फायदा

इस सैल से जुड़े छात्रों/फैकल्टी को एमआईसी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित की जाने वाली इनोवेटर्स की सफलताओं की प्रदर्शनियों में भाग लेने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे और चयनित सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

संस्थान का यह है उद्देश्य

कुलपति के अनुसार इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल संस्थान में नवाचार को बढ़ावा देता है। उपरोक्त काउंसिल केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के इनोवेशन सैल (एमआईसी) द्वारा निर्धारित विभिन्न नवाचार और उद्यमिता से संबंधित गतिविधियों का संचालन करेगी और नवाचारों को पहचानने और पुरस्कृत करने के साथ उनकी सफलता की कहानियों को साझा करेगी।

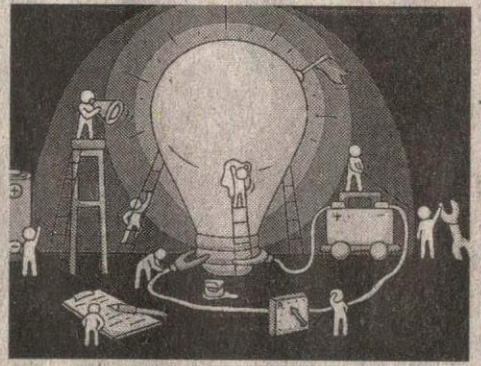

संस्थान के तहत यह करेंगे कार्य

- यह काउंसिल उद्यमियों, निवेशकों, पेशेवरों के साथ समय-समय पर कार्यशालाओं, सेमिनार में बातचीत का आयोजन करेगी और छात्र इनोवेटर्स के लिए मेंटर पूल तैयार करेगी।
- राष्ट्रीय उद्यमिता विकास संगठनों के साथ नेटवर्क स्थापित किया जाएगा और संस्थान के संकाय और छात्रों द्वारा की गई अभिनव परियोजनाओं को उजागर करने के लिए संस्थान का एक नवाचार पोर्टल बनाया जाएगा।
- उद्योगों की भागीदारी के साथ हैकथॉन, विचार प्रतियोगिता आदि भी आयोजित की जाएंगी।

स्थानीय संस्थानों से तैयार होगा केंद्र: हकृवि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की अध्यक्षा डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस सैल में बिना किसी बड़े पूंजी निवेश के अपनी गतिविधियों के लिए केवल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र का उपयोग किया जाएगा। यह सैल एमआईसी के साथ नियमित रूप से बातचीत करेगा और इसे भारत सरकार की विभिन्न नवाचार पहलों तथा संस्थानों की अटल रैंकिंग नवाचार उपलब्धियों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 25.1.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 3-5

युवा छात्रों को नए विचारों के साथ काम करने के लिए किया जाएगा प्रोत्साहित

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की हुई स्थापना

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवस्थापित इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) को प्रमाणित किया है। इस काउंसिल की स्थापना एमएचआरडी इनोवेशन सेल के मानदंड के अनुसार देश में सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए किया गया है।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल का उद्देश्य युवा छात्रों को शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित करना, प्रेरित और पोषित करना है। कुलपति के अनुसार इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल संस्थान में नवाचार को बढ़ावा देता है। उपरोक्त काउंसिल केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के इनोवेशन सेल (एमआईसी) द्वारा निर्धारित विभिन्न नवाचार और उद्यमिता से संबंधित गतिविधियों का संचालन करेगी और नवाचारों को पहचानाने व पुरस्कृत करने के साथ उनकी सफलता की कहानियों को सांझा करेगी।

उन्होंने बताया कि यह काउंसिल उद्यमियों, निवेशकों, पेशेवरों के साथ समय-समय पर कार्यशालाओं, सेमिनार व बातचीत कर आयोजन करेगी और छात्र इनोवेटर्स के लिए मेंटर पुल तैयार करेगी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय उद्यमिता विकास संगठनों के साथ नेटवर्क स्थापित किया जाएगा और संस्थान के संकाय और छात्रों द्वारा की गई अभिनव परियोजनाओं को उजागर करने के लिए संस्थान का एक नवाचार पोर्टल बनाया जाएगा। उद्योगों की भागीदारी के साथ हैकथॉन, विचार प्रतियोगिता आदि भी आयोजित की जाएंगी। हकृवि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की अध्यक्षा डॉ. सीमा रानी ने बताया कि उपरोक्त नवस्थापित सेल में बिना किसी बड़े पूंजी निवेश के अपनी गतिविधियों के लिए केवल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र का उपयोग किया जाएगा।

यह सेल एमआईसी के साथ नियमित रूप से बातचीत करेगा और इसे भारत सरकार की विभिन्न नवाचार पहलों तथा संस्थानों की अटल रैंकिंग नवाचार उपलब्धियों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। इस सेल से जुड़े छात्रों व फैकल्टी को एमआईसी द्वारा नई दिल्ली में होने वाली इनोवेटर्स की सफलताओं की प्रदर्शनियों में भाग लेने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे और चयनित सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 25.1.2019 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 3-5

एचएयू की आइआइसी को मिली मान्यता

जागरण संवाददाता, हिसार : केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवस्थापित इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आइआइसी) को प्रमाणित किया है। इस काउंसिल की स्थापना एमएचआरडी इनोवेशन सेल के मानदंड के अनुसार देश में सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए की गई है।

विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि काउंसिल का उद्देश्य युवा छात्रों को शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित और पोषित करना है।

काउंसिल का उद्देश्य युवा छात्रों को शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित करना है : कुलपति

केवल स्थानीय संसाधनों का होगा उपयोग

: काउंसिल की अध्यक्ष डा. सीमा रानी ने बताया कि नव स्थापित सेल में बिना किसी बड़े पूंजी निवेश के अपनी गतिविधियों के लिए केवल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र का उपयोग किया जाएगा। इस सेल से जुड़े छात्रों/फैकल्टी को एमआइसी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित की जाने वाली इनोवेटर्स की सफलताओं की प्रदर्शनियों में भाग लेने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे।

छात्र इनोवेटर्स के लिए मेंटर पूल तैयार करेगी काउंसिल

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल एमएचआरडी के इनोवेशन सेल (एमआइसी) द्वारा निर्धारित विभिन्न नवाचार और उद्यमिता से संबंधित गतिविधियों का संचालन करेगी। कुलपति ने बताया कि यह काउंसिल उद्यमियों, निवेशकों, पेशेवरों के साथ समय-समय पर कार्यशालाओं/सेमिनार/बातचीत का आयोजन करेगी और छात्र इनोवेटर्स के लिए मेंटर पूल तैयार करेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नभ छोर

दिनांक 23.1.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 3-5

हकृवि में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की स्थापना

हिसार/23 जनवरी/रिपोर्टर.

केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवस्थापित इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) को प्रमाणित किया है। इस काऊँसिल की स्थापना एमएचआरडी इनोवेशन सैल के मानदंड के अनुसार देश में सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल का उद्देश्य युवा छात्रों को शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित, प्रेरित और पोषित करना है। कुलपति के अनुसार इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काऊंसिल संस्थान नवाचार को बढ़ावा देता है। उपरोक्त काउंसिल केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के इनोवेशन सैल (एमआईसी) द्वारा निर्धारित विभिन्न नवाचार और उद्यमिता से संबंधित गतिविधियों का संचालन करेगी और नवाचारों को पहचानाने और पुरस्कृत करने के साथ उनकी सफलता की कहानियों को सांझा करेगी। उन्होंने बताया यह काउंसिल उद्यमियों, निवेशकों, पेशेवरों के साथ समय-समय पर कार्यशालाओं/ सेमिनार/ बातचीत का आयोजन करेगी और छात्र इनोवेटर्स के लिए मेंटर पूल तैयार करेगी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय उद्यमिता विकास संगठनों के साथ नेटवर्क स्थापित किया जाएगा और संस्थान के संकाय और छात्रों द्वारा की गई अभिनव परियोजनाओं को उजागर करने के लिए संस्थान का एक नवाचार पोर्टल बनाया जाएगा। उद्योगों की भागीदारी के साथ हैकथॉन, विचार प्रतियोगिता आदि भी आयोजित की जाएंगी। हकृवि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काऊंसिल की अध्यक्षा डॉ. सीमा रानी ने बताया कि नवस्थापित सैल में बिना किसी बड़े पूंजी निवेश के अपनी गतिविधियों के लिए केवल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र का उपयोग किया जाएगा। यह सैल एमआईसी के साथ नियमित रूप से बातचीत करेगा और इसे भारत सरकार की विभिन्न नवाचार पहलों तथा संस्थानों की अटल रैंकिंग नवाचार उपलब्धियों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। इस सैल से जुड़े छात्रों/ फैकल्टी को एमआईसी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित की जाने वाली इनोवेटर्स की सफलताओं की प्रदर्शनियों में भाग लेने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे और चयनित सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......हैलो हिसार......
दिनांक 23.1.2019 पृष्ठ सं. ...2... कॉलम ...6-8...

सीसीएस एचएयू, हिसार में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की स्थापना

हिसारः 23 जनवरी केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवस्थापित इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) को प्रमाणित किया है। इस काऊँसिल की स्थापना एमएचआरडी इनोवेशन सैल के मानदंड के अनुसार देश में सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल का उद्देश्य युवा छात्रों को शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित, प्रेरित और पोषित करना है। कुलपति के अनुसार इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काऊँसिल संस्थान में नवाचार को बढ़ावा देता है। उपरोक्त काउंसिल केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के इनोवेशन सैल (एमआईसी) द्वारा निर्धारित विभिन्न नवाचार और

कहा, समस-समय पर होगा कार्यशालाओं का आयोजन

उद्यमिता से संबंधित गतिविधियों का संचालन करेगी और नवाचारों को पहचानाने और पुरस्कृत करने के साथ उनकी सफलता की कहानियों को सांझा करेगी।

उन्होंने बताया यह काउंसिल उद्यमियों, निवेशकों, पेशेवरों के साथ समय-समय पर कार्यशालाओं/सेमिनार/बातचीत का आयोजन करेगी और छात्र इनोवेटर्स के लिए मेंटर पूल तैयार करेगी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय उद्यमिता विकास संगठनों के साथ नेटवर्क स्थापित किया जाएगा और संस्थान के संकाय और छात्रों द्वारा की गई अभिनव परियोजनाओं को उजागर करने के लिए संस्थान का एक नवाचार पोर्टल बनाया जाएगा। उद्योगों की भागीदारी के साथ हैकथॉन, विचार प्रतियोगिता आदि भी आयोजित की जाएंगी।

हकृवि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काऊँसिल की अध्यक्षा डॉ. सीमा रानी ने बताया कि उपरोक्त नवस्थापित सैल में बिना किसी बड़े पूंजी निवेश के अपनी गतिविधियों के लिए केवल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र का उपयोग किया जाएगा। यह सैल एमआईसी के साथ नियमित रूप से बातचीत करेगा ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 23.1.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 2-6

एचएयू में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की स्थापना

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवस्थापित इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) को प्रमाणित किया है। इस काउंसिल की स्थापना एमएचआरडी इनोवेशन सैल के मानदंड के अनुसार देश में सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल का उद्देश्य युवा छात्रों को

शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित, प्रेरित और पोषित करना है।

कुलपति के अनुसार इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल संस्थान में नवाचार को बढ़ावा देता है। उपरोक्त काउंसिल केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के इनोवेशन सैल (एमआईसी) द्वारा निर्धारित विभिन्न नवाचार और उद्यमिता से संबंधित गतिविधियों का संचालन करेगी और नवाचारों को पहचानाने और पुरस्कृत करने के साथ उनकी सफलता की कहानियों को साझा करेगी।

उन्होंने बताया यह काउंसिल उद्यमियों, निवेशकों, पेशेवरों के साथ समय-समय पर कार्यशालाओं, सेमिनार, बातचीत का आयोजन करेगी और छात्र इनोवेटर्स के लिए मेंटर पूल तैयार करेगी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय उद्यमिता विकास संगठनों के साथ नेटवर्क स्थापित किया जाएगा और संस्थान के संकाय और छात्रों द्वारा की गई अभिनव परियोजनाओं को उजागर करने के लिए संस्थान का एक नवाचार पोर्टल बनाया जाएगा। उद्योगों की भागीदारी के साथ हैकथॉन, विचार प्रतियोगिता आदि भी आयोजित की जाएंगी।

हकृवि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की अध्यक्षा डॉ. सीमा रानी ने बताया कि उपरोक्त नवस्थापित सैल में बिना किसी बड़े पूंजी निवेश के अपनी गतिविधियों के लिए केवल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र का उपयोग किया जाएगा। यह सैल एमआईसी के साथ नियमित रूप से बातचीत करेगा और इसे भारत सरकार की विभिन्न नवाचार पहलों तथा संस्थानों की अटल रैंकिंग नवाचार उपलब्धियों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। इस सैल से जुड़े छात्रों/फैकल्टी को एमआईसी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित की जाने वाली इनोवेटर्स की सफलताओं की प्रदर्शनियों में भाग लेने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे और चयनित सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।